भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 445

दिनांक 04 फरवरी, 2025

केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान की स्थापना

445. श्री प्रदीप पुरोहित:

क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने बारगढ़ को ओडिशा में चावल का अग्रणी उत्पादक क्षेत्र होने पर विचार करते हुए वहां केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान की स्थापना करने की व्यवहार्यता का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने जलवायु अनुकूल किस्मों सहित चावल उत्पादन के संबंध में उन्नत अनुसंधान की आवश्यकता को स्वीकार किया है और बारगढ़ में ऐसे संस्थान की स्थापना हेतु संसाधान आवंटित करने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने उस तरीके का मूल्यांकन किया है जिससे ऐसा संस्थान उपज में वृद्धि करके और आदान लागतों को कम से कम करके ओडिशा और अन्य राज्यों में चावल किसानों की आजीविका में सुधार लाने में योगदान दे सकता है यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने बारगढ़ में केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान की स्थापना के लिए कोई समय-सीमा प्रस्तावित की है अथवा विशिष्ट निधियां आवंटित की हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री
(श्री भागीरथ चौधरी)

(क): भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) अपने तीन उप-केंद्रों हजारीबाग (झारखंड), गेरूआ (असम), एवं नायरा (आंध्र प्रदेश) के साथ मिलकर पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों का विकास और प्रसार करता है, ताकि बारगढ़, ओडिशा सहित देश के विभिन्न राज्यों की विभिन्न पारिस्थितिकियों में धान की खेती की उत्पादकता, लाभप्रदता और संधारणीयता में वृद्धि हो सके। इसके अलावा, भाकृअनुप-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआईआरआर), हैदराबाद, तेलंगाना भी देश में चावल अनुसंधान के लिए कार्य करता है।

उपरोक्त के अलावा, भुवनेश्वर स्थित ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (ओयूएटी), ओडिशा के लिए धान पर अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियां संचालित करता है। इसलिए, वर्तमान में बारगढ़, ओडिशा में केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ख): चावल की फसल के लिए उपरोक्त दो राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा क्लाइमेट-स्मार्ट कई प्रौद्योगिकियां/उत्पाद विकसित, परीक्षित और मूल्यांकित किए गए हैं। बारगढ़ के किसान इन किस्मों/प्रौद्योगिकियों का लाभ ले रहे हैं।

(ग): भाकृअनुप अपने उपर्युक्त दो अनुसंधान संस्थानों के माध्यम से सशक्त एवं प्रभावी अनुसंधान कार्यनीति द्वारा देश भर में चावल उत्पादकता बढ़ाने के लक्ष्य को लेकर प्रौद्योगिकी विकसित करने का राष्ट्रीय अधिदेश रखता है। उन्नत किस्मों और प्रौद्योगिकियों को अपनाकर तथा इनपुट लागत (खर्च) कम करके उपज बढ़ाने पर अनुसंधान कार्य किया गया है जो ओडिशा के साथ-साथ भारत के विभिन्न राज्यों के लिए है।

(घ): प्रश्न नहीं उठता।

****